भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2350
उत्तर देने की तारीख 03 अगस्त, 2026
12 श्रावण, 1948 (शक)

भारतीय फुटबॉल की घटती प्रतिस्पर्धात्मकता

2350. श्री जय प्रकाश:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में अपनी फीफा रैंकिंग और प्रदर्शन सहित अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में भारत के गिरते प्रदर्शन के कारणों का कोई आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने जमीनी स्तर पर प्रतिभा की पहचान, कोचिंग मानकों, खेल विज्ञान सहायता, अवसंरचना विकास और घरेलू लीग में भागीदारी सहित फुटबॉल विकास के लिए मौजूदा योजनाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का फीफा विश्व कप और एएफसी एशियाई कप सहित राज्य सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों और फुटबॉल संघों के सहयोग से एक दीर्घकालिक राष्ट्रीय फुटबॉल विकास रणनीति तैयार करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ): किसी विशिष्ट खेल विधा के संवर्धन एवं विकास की जिम्मेदारी संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) की होती है। फुटबॉल के संबंध में यह जिम्मेदारी अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने देश में फुटबॉल के संवर्धन एवं विकास के लिए एआईएफएफ को राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) के रूप में मान्यता प्रदान की है।

फुटबॉल टीमों की रैंकिंग परिवर्तनशील होती है और यह मैचों के परिणामों, विपक्षी टीमों की क्षमता तथा मैचों की संख्या जैसे कारकों से प्रभावित होती है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के

अधीन एक स्वायत्त निकाय भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) फुटबॉल के प्रदर्शन एवं खेल के समग्र विकास की समीक्षा के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के साथ नियमित रूप से समन्वय करता है तथा तदनुसार अपना परामर्श प्रदान करता है।

राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को सहायता स्कीम के अंतर्गत अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को खिलाड़ियों के प्रशिक्षण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिसमें उनकी तैयारी के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ, जैसे पौष्टिक आहार, खाद्य अनुपूरक, उपकरण सहायता, अत्याधुनिक अवसंरचना, आवास, यात्रा सुविधाएँ, प्रतिष्ठित भारतीय एवं विदेशी कोचों/सहायक कर्मियों की सेवाएँ, वैज्ञानिक एवं चिकित्सा सहायता, खेल किट आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, विदेशों में प्रशिक्षण, उप-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्गों में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन, भारत में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के आयोजन तथा देश एवं विदेश में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी हेतु भी वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उक्त प्रयोजन के लिए प्रत्येक वर्ष प्रत्येक राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ), जिसमें एआईएफएफ भी शामिल है, के लिए एसीटीसी (प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता का वार्षिक कैलेंडर) बजट अनुमोदित किया जाता है।

राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को सहायता स्कीम के अंतर्गत मानदंडों को 22.05.2025 को संशोधित किया गया है। यह स्कीम जमीनी स्तर पर खेलों के सुदृढ़ विकास, पेशेवर कोचिंग, एथलीटों को वैज्ञानिक सहायता तथा अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के आयोजन एवं उनमें भागीदारी हेतु एनएसएफ को सहायता प्रदान करके खिलाड़ियों को अधिक अवसर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करती है। यह स्कीम जमीनी स्तर पर खेलों के विकास तथा कोचों एवं तकनीकी स्टाफ की क्षमता निर्माण को भी प्राथमिकता देती है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

(i) फुटबॉल को खेलो इंडिया युवा खेलों में शामिल करके तथा खेलो इंडिया अकादमियों एवं राज्य उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से प्रतिभाओं को बढ़ावा देकर सहयोग प्रदान किया गया है।

(ii) राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में अवसंरचना एवं खेल विज्ञान सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) अपनी विभिन्न खेल संवर्धन स्कीमों के माध्यम से देशभर में फुटबॉल खेल को प्रोत्साहित करता है, ताकि विभिन्न आयु वर्गों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा सके तथा उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार किया जा सके।

****